दयजूड मञ्चि

रागम्: जगन्मोहिनि ताळम्: मिश्र चापु

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

पल्लवि

दयजूड मञ्चि समयमिदे
वे वेगमे वच्चि

अनुपल्लवि

जयमोसगे शङ्करि नीवु
जननि गदा बृहदम्बा

चरणम्

कनकाङ्कि नी पादकमलमे

दिक्कनि नम्मिनानु नेनु

सनक सनन्दन वन्दित चरणा
सारस नेत्रि नीवु गदा ॥ १ ॥

चपल मन्यु दीर्घ्य खण्ड

साम्राज्यमीयवे

कपटमु सेयकने निगमविनुता
कामितदायकि नीवु गदा ॥ २ ॥

श्यामकृष्णसोदरि कौमारि

सकलागम पूजित देवि

नी महिमलु पोगड तरमा नी
समानमेन्दु गानने ॥ ३ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇